

19. जीवाणु खाद प्रौद्योगिकी में प्रमाणपत्र

(CERTIFICATE IN BIO-FERTILIZER PRODUCTION TECHNOLOGY)

Objective: जीवाणु खाद का प्रयोग कृषि-उत्पादों में वृद्धि के लिए आवश्यक है। इनका योगदान वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिरीकरण प्रक्रिया में सराहनीय है। देश की बढ़ती हुई जनसंख्या की खाद्य समस्या को सुलझाने में जीवाणु खाद का योगदान महत्वपूर्ण होगा। दिनोंदिन रासायनिक उर्वरकों की कीमत में वृद्धि, समय पर उनकी उपलब्धि नहीं होने के कारण तथा उनके दुष्प्रभाव को देखते हुये जीवाणु खाद पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

इस पाठ्यक्रम में जीवाणु खाद के बड़े पैमाने पर उत्पादन की विधि विस्तार से बताई गई है। इसके उत्पाद पर मामूली व्यय होता है। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम बेरोजगार युवकों के लिए स्वरोजगार का प्रभावी साधन बन सकता है। कृषक अपने खेतों की भूमि में इसके प्रयोग द्वारा भूमि की उर्वरा-शक्ति को लंबे समय तक कायम रख सकेंगे। इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है।

पाठ्यक्रम संरचना:- इस पाठ्यक्रम में कुल तीन पत्र होंगे, जिनमें दो सैद्धांतिक (Theory) तथा एक प्रायोगिक (Practical) पत्र होगा। प्रत्येक पत्र 100 अंक का होगा। सभी सैद्धांतिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की लिखित परीक्षा होगी एवं 20 अंकों के लिए सत्रीय कार्य जमा करना होगा। प्रायोगिक पत्र में 20 अंकों की लिखित परीक्षा होगी एवं 80 अंकों का प्रायोगिक कार्य (Practical Work) करना होगा। यह पाठ्यक्रम 6 माह का है।

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student, both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 3 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks between Theory and Assignment			Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + practical/ Assignment)
		Written exam	Assignment	Practical	
1.	Agromicrobes, Form and Function	80	20		33
2.	Biofertilizer Production of Cyanobacteria, Azolla and Rhizobium	80	20		33
3.	Practicals	20		80	33
	Total	180	40	80	99